**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय  
रक्षा विभाग**

**राज्य सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या 1455**

**01 जनवरी, 2018 को उत्तर के लिए**

**चीन का जिबूती में प्रवासी सेना बेस**

**1455. श्री माजीद मेमन :**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(**क**) **क्या सरकार को जानकारी है कि चीन ने अपने पहले प्रवास सेना बेस के लिए जिबूती को चुना है;**

(**ख**) **क्या हिन्द महासागर में चीन की बढ़ी हुई गतिविधि को समुद्री डकैती रोधी गश्त तथा नौ-परिवहन की स्वतंत्रता के रूप में देखा जा रहा है;**

(**ग**) **क्या चीन हिन्द महासागर के महत्वपूर्ण पोत परिवहन मार्ग के समानांतर अपनी ऊर्जा तथा व्यापार परिवहन लिंक को सुरक्षित करना चाहता है;**

(**घ**) **गत दो वर्षों से लेकर अब तक भारतीय नौसेना द्वारा चीन की पनडुब्बियों तथा आसूचना संग्रहण पोतों सहित कितने युद्धपोतों को देखा गया है; और**

(**ड.**) **सामरिक समुद्र की निगरानी को कड़ा करने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं ?**

**उत्तर  
रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ. सुभाष भामरे)**

(क) से (ड.): जिबूती में चीनी ओवरसीज बेस को समुद्री डकैती-रोधी संक्रियाओं सम्बन्धी पोतों के लिए संक्रियात्मक टर्न एराउन्ड (ओटीआर) सुविधाएं प्रदान करने के लिए अगस्त, 2017 में प्रचालित किया गया था । वर्तमान में, यह इंगित करने के लिए कोई सूचना नहीं है कि चीन हिन्द महासागर क्षेत्र में दिक्चालन संक्रियाओं की स्वतंत्रता का उपयोग कर रहा है । चीन मुख्यतया हिन्द महासागर के माध्यम से पारगमन करते हुए तेल आयातों पर निर्भर करता है । यह चीन के हित में होगा कि हिन्द महासागर में पोत पारगमन लेन और यातायात सुरक्षित रहें । भारतीय नौसेना हितकारी समुद्री क्षेत्रों में नियमित उपस्थिति और निगरानी बनाए रखती है । अगस्त, 2017 से, हिन्द महासागर क्षेत्र में भारतीय नौसेना की तैनातियों को मिशन आधारित तैनाती (एमबीडी) अवधारणा के अन्तर्गत और संरचनाबद्ध किया गया है ।

\*\*\*\*\*\*